Name of the Event: Report on Developing Conscious Legal Education by Indian Institute of Legal Studies (IILS)

Organised by: Career Guidance and Placement Cell.
Date: 27th May 2024.

Aim of the Programme: The seminar sought to create in-depth knowledge on topics in legal studies, such as critical sections in the Indian Penal Code, notable criminal cases, and the role of legal aid in dispensing justice and equality

Invited: Indian Institute of Legal Studies (IILS), Siliguri

No of Participants: 74

No of Faculty Members: 07

No of Resource Persons: 04

Report on Developing Conscious Legal Education by Indian Institute of Legal Studies (IILS) Held on 27th May 2024:

The Placement and Career Guidance Cell of St Joseph's College, Darjeeling, organized a seminar entitled "Developing Conscious Legal Education" on 27th May 2024. The program was held in Campion Hall and drew an active participation of 74 students who are keenly interested in increasing their legal knowledge.

Key Points:

The Placement and Career Guidance Cell of St. Joseph's College, Darjeeling, conducted an informative seminar on "Developing Conscious Legal Education" on 27th May 2024, with the participation of 74 participants. The seminar started with an introduction to the Indian Institute of Legal Studies (IILS) and a general introduction to the Indian Penal Code (IPC) 1860, with emphasis on some of the important sections, notably the Cyanide Mohan case and the Barbara Singh case. Matters considered have been dowry death, criminal force, assault, stalking, and rape cases, especially Section 375 of the IPC.

Saloni Giri, a final-year student, spoke on live-in relationships, while another student explained legal aid. Further, the seminar spoke of State Legal Authorities, equality before law, mass disasters, violence, custody, fundamental rights, and explained the importance of legal aid. The session closed with an inspirational speech given by Komal Gurung, the co-ordinator of Placement and Career Guidance Cell, underlining the importance of having conscious legal education.

Conclusion:

The seminar on "Developing Conscious Legal Education" was a success, speaking on several subjects, and exciting the interest of the audience. It once again brought out the importance of legal education in creating awareness and justice. The Placement and Career Guidance Cell looks forward to organizing more such enlightening events in the future.

फिटनेस, मानसिक स्पष्टता और भावनात्मक स्थिरता विकसित करने में मदद करते हैं। स्कूल का योग प्रदान करने में सहायक रहा है। एसएससी सदस्य श्री भट्टराई ने कहा कि स्थानीय समिति की भागीदारी निकेतन फलता-फूलता रहेगा और हमारे छात्रों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालेगा।

सेंट जोसेफ कॉलेज में कानूनी शिक्षा और जागरूकता पर सेमिनार आयोजित

दार्जिलिंग। सेंट जोसेफ कॉलेज के प्लेसमेंट एवं कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ ने भारतीय विधि अध्ययन संस्थान (आईआईएलएस), सिलीगुड़ी के सहयोग से जागरूक कानूनी शिक्षा के विकास पर एक आकर्षक सेमिनार का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न विषयों पर कानूनी जागरूकता पर प्रकाश डाला गया, जिसमें कानूनी सहायता का अधिकार, लिव-इन रिलेशनशिप के सामाजिक और कानूनी पहलू तथा भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत महत्वपूर्ण प्रावधान और अपराध शामिल थे। सेमिनार में आईआईएलएस के सहायक प्रोफेसर सुश्री अर्पिता मित्रा, कानूनी सहायता समिति के छात्र संयोजक ईशान छेत्री और कार्यकारी सदस्य रोहित तमांग और सलोनी गिरि ने भाग लिया और अपने-अपने विषयों पर एक व्यावहारिक कानूनी जागरूकता सेमिनार प्रस्तुत किया।

सेमिनार में दूसरे, चौथे और छठे सेमेस्टर के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत प्लेसमेंट समन्वयक सुश्री कोमल गुरुंग के परिचयात्मक भाषण से हुई, जिसने कार्यवाही की रूपरेखा तैयार की। इसके बाद सुश्री अर्पिता मित्रा ने कैरियर मार्गदर्शन पर एक आकर्षक व्याख्यान दिया, जिसमें कानूनी शिक्षा के महत्व पर बल दिया गया। इसके बाद ईशान छेत्री ने मौलिक अधिकारों पर एक व्यावहारिक प्रस्तुति दी, जिसमें अनुच्छेद 370 पर विस्तृत चर्चा के साथ-साथ एक पावरपॉइंट प्रस्तुति भी शामिल थी। सलोनी गिरि ने लिव-इन रिलेशनशिप के कानूनी और सामाजिक पहलुओं पर हास्यपूर्ण और संवादात्मक सत्र से श्रोताओं का ध्यान आकर्षित किया।

रोहित तमांग ने आईपीसी के तहत विभिन्न प्रावधानों और अपराधों पर एक जानकारीपूर्ण भाषण के साथ सेमिनार का समापन किया, जिसमें विभिन्न आईपीसी धाराओं पर प्रकाश डाला गया और 1 जुलाई, 2024 को लागू होने वाले नए कानूनों का उल्लेख किया गया। सेमिनार में कानूनी अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी के महत्व पर जोर दिया गया, जिसका उद्देश्य छात्रों में कानूनी शिक्षा के प्रति जागरूक दृष्टिकोण विकसित करना था। कार्यक्रम का समापन छात्रों और वक्ताओं सहित सभी प्रतिभागियों के एक समूह फोटो के लिए एकत्र होने के साथ हुआ, जो इस ज्ञानवर्धक सत्र की सफलता का प्रतीक था।

जाम लगा रहता है। इस जाम से आम लोग, पर्यटक और मरीज भी प्रभावित हो रहे हैं। हर किसी को

सेन्ट जोसेफ कलेज, दार्जीलिङमा कानूनी शिक्षा तथा सचेतनासम्बन्धी सङ्गोष्ठी आयोजित

दार्जीलिङ, २७ मई : सेन्ट जोसेफ कलेजको प्लेसमेन्ट एन्ड करिअर गाइडेन्स विभागले इन्डियन इन्स्टिच्युट अव् लिगल स्टडिज (आईआईएलएस) सिलगढीको सहकार्यमा 'कानूनी चेतनामूलक शिक्षाको विकास' विषयक सङ्गोष्ठीको आयोजना गरेको थियो। यस सेमिनारमा कानूनी सहायताका अधिकार, लिभ-इन सम्बन्धका सामाजिक र कानूनी पक्षहरू, भारतीय दण्ड संहिता अन्तर्गतका महत्त्वपूर्ण प्रावधान र अपराधहरूलगायत विभिन्न विषयमाथि कानूनी जागरूकताबारे प्रकाश पारिएको सेन्ट जोसेफ कलेजले एक प्रेस विज्ञप्तिमार्फत बताएको हो। सेमिनारमा आईआईएलएसका संसाधन व्यक्तिहरू, सहायक प्राध्यापक अर्पिता मित्र, कानूनी सहायता समितिका विद्यार्थी संयोजक ईशान छेत्री र कार्यकारी सदस्य रोहित तामाङ र सलोनी गिरीले आ-आफ्ना विषयमा अन्तर्दृष्टिपूर्ण कानूनी चेतनामूलक वक्तव्यहरू प्रस्तुत गरे।

सेमिनारमा दोस्रो, चौथो र छैटौं सेमेस्टरका विभिन्न विभागका विद्यार्थीको उत्साहपूर्ण सहभागिता थियो। कार्यक्रम प्लेस्मेन्ट संयोजक सुश्री कोमल गुरुङको परिचयात्मक भाषणबाट शुरू गरियो भने सुश्री अर्पिता मित्रले कानूनी शिक्षाको महत्त्वलाई जोड दिँदै करियर मार्गनिर्देशनमा आकर्षक भाषण प्रस्तुत गरिन्। त्यसपछि ईशान छेत्रीले पावरपोइन्ट प्रस्तुतीकरणसँगै धारा ३७० माथि विस्तृत छलफलसहित मौलिक अधिकार विषय अन्तर्दृष्टिपूर्ण प्रस्तुतीकरण दिए।

नाम्
जिल्ला
वटा पो
ब्यालेट
गन्
गान्तोक, २७ जिल्लाको विभिन्न नि निम्ति आज ११ तीनवटा पोस्टल ब छ। आज नाम्ची